

‘ΚΑΤΑ ΙΩΑΝΝΗΝ’

Gn 1,1·8,58; 17,5 Kol
1,17 Prv 8,22ss Sir 1,4;
24,9·1J1,1 Ap 19,13·
1J1,2·18!
Ps 33,6 Sap 9,1 1K 8,6
Kol 1,15-17 H1,2 Ap
3,14 | 5,26 1J1,1s·8,12!
3,19; 12,35·1s,9,1

Mc 1,4p

| 15.19.32.34; 5,33

Act 19,4

20! 5,35

8,12!·1J 2,8·4 Mt 4,16

3,19; 11,27! | 3!

5 1K 2,8 1J 3,1

1Hn 42,1s

G 3,26! 1J 3,1

5,24! 1J 5,13!

3,5s

1P 1,23 1J 4,7! Je 1,18

| 1T 3,16 1J 4,2! Kol

1,22!·Sir 24,8 Ps Sal

7,6 Ez 37,27 Zch 8,3

Ap 21,3

2,11! L 9,32·3,16!·17!

Inscriptio: ‘εὐαγγέλιον κατὰ Ἰωάννην’ p^{66.75} (A) C D K L Ws Δ Θ Ψ f¹ 33. 565. 700. 892. 1241. 1424 M vg^{ww} | εὐαγγέλιον του κατὰ Ἰωάννην αγίου ευαγγελίου Γ | το κατὰ Ἰωάννην αγιον ευαγγελιον 579 | — x* B* | t^{xt} B¹ B¹ | 1,3 ‘οὐδεν’ p⁶⁶ x* D f¹; Cl^{ex}Thd | : — et¹¹. x* K Γ Ψ 050c f¹ 1,3 33. 565. 579. 700. 892. 1241. 1424. / 844 M sy^{p,h} bo | t^{xt} p^{75c} C D L Ws 050*. / 2211 b vg^s sy^c sa; Ptol^{lr} Theoph Ir^{lat} Tert Cl Cl^{ex}Thd Or (sine interp. vel incert. p^{66.75} x* A B Δ Θ) | 4 ‘εστιν’ x D it vg^{mss} sa?; Ptol^{lr} Ir^{lat} Cl^{pt} Or^{mss} | — Ws | B* | 6 ‘κυριου’ D* | T ην x* D* Ws sy^c; Ir^{lat} | 13 °D* | B* | 15 ‘ο ειπων’ x^{la} B* C*; Or | — x* | 16 ‘και’ A C³ K Ws Γ Δ Θ Ψ f¹ 1,3 33. 565. 700. 892. 1241. 1424 M lat sy bo^{mss} | t^{xt} p^{66.75} x B C* D L 33. 579. / 844. / 2211 it eo; Or | 17 ‘χαρις δε’ p⁶⁶ (x Ws) it sy^{h*} bo | 18 ‘ο μονογενης θεος’ p⁷⁵ x¹ 33; Cl^{pt} Cl^{ex}Thd pt Or^{pt} | ο μονογενης υιος A C³ K Γ Δ Θ Ψ f¹ 1,3 33. 565. 579. 700. 892. 1241. 1424 M lat sy^h; Cl^{pt} Cl^{ex}Thd pt | ει μη ο μονογενης υιος Ws it; Ir^{lat} pt (+ θεου Ir^{lat} pt) | t^{xt} p⁶⁶ x* B C* L sy^{p,hmg}; Or^{pt} Did | T ημιν Ws c sy^c | 19 p^{66.75} x C³ K L Ws Γ Δ f¹ 1,3 33. 565. 700. 892*. 1241. 1424 M | t^{xt} B C* 33. 892c it sy^{c,p} sa bo (p. Λευιτας p^{66c} vid A Θ Ψ f¹ 1,3 33. 579 lat sy^h) | ‘ερωτησουσιν’ p⁷⁵ L Ws Δ 33. 579 | επερωτησωσιν x | 20 ‘ωμολογησεν’ C² L Ws f¹ 1,3 33 it bo^{mss} | — x e l sa | 21 ‘παλιν’ x Ws it sy^p | / 2 4 5 3 A C³ K Γ Δ Θ 0234 f¹ 1,3 33. 565. 579. 700. 892. 1241. 1424 M lat sy^h | / 2 4 5 x L a | 3 2 1 4 5 B | / 3 5 4 Ws | 4 5 3 b r¹ co | t^{xt} (tis p⁶⁶) p⁷⁵ C* Ψ 33 (e) ff² l; Or | x a b r¹ bo | 22 T sy p^{66c.75} (c r¹). | 24 T oi x² A^c C³ K N Ws Γ Δ Θ 0234 f¹ 1,3 33. 565. 579. 700. 892. 1241. 1424 M bo^{mss} | t^{xt} p^{66.75} x* A B C* L T Ψ 086 co; Or | 25 x a e sy^c | 26 °Ψ^{75.120} f¹ e | T μεν f¹ 1,3 it sa^{mss} bo^{pt}

εἶπον· ὁ ὀπίσω μου ἐρχόμενος ἔμπροσθέν μου γέγονεν, ὅτι πρῶτός μου ἦν. **16** ὅτι ἐκ τοῦ πληρώματος αὐτοῦ ἡμεῖς πάντες ἐλάβομεν καὶ χάριν ἀντὶ χάριτος· **17** ὅτι ὁ νόμος διὰ Μωϋσέως ἐδόθη, ἡ χάρις καὶ ἡ ἀλήθεια διὰ Ἰησοῦ Χριστοῦ ἐγένετο. **18** Θεὸν οὐδεὶς ἑώρακεν πώποτε· μονογενὴς θεὸς ὁ ὢν εἰς τὸν κόλπον τοῦ πατρὸς ἐκεῖνος ἐξηγήσατο.

19 Καὶ αὕτη ἐστὶν ἡ μαρτυρία τοῦ Ἰωάννου, ὅτε ἀπέστειλαν πρὸς αὐτὸν οἱ Ἰουδαῖοι ἐξ Ἱεροσολύμων ἱερεῖς καὶ Λευίτας ἵνα ἐρωτήσωσιν αὐτόν· σὺ τίς εἶ; **20** καὶ ὡμολόγησεν καὶ οὐκ ἠρνήσατο, καὶ ὡμολόγησεν ὅτι ἐγὼ οὐκ εἰμὶ ὁ χριστός. **21** καὶ ἠρώτησαν αὐτόν· τί οὖν; σὺ Ἥλίας εἶ; ὁ καὶ λέγει· οὐκ εἰμὶ. ὁ προφήτης εἶ σὺ; καὶ ἀπεκρίθη· οὐ. **22** εἶπαν οὖν αὐτῷ· τίς εἶ; ἵνα ἀποκρισὶν δώμεν τοῖς πέμψασιν ἡμᾶς· τί λέγεις περὶ σεαυτοῦ; **23** ἔφη·

ἐγὼ φωνὴ βοῶντος ἐν τῇ ἐρήμῳ·

εὐθύνατε τὴν ὁδὸν κυρίου,

καθὼς εἶπεν Ἡσαΐας ὁ προφήτης.

24 Καὶ ὁ ἀπεσταλμένος ἦσαν ἐκ τῶν Φαρισαίων. **25** καὶ ἠρώτησαν αὐτόν· καὶ εἶπαν αὐτῷ· τί οὖν βαπτίζεις εἰ σὺ οὐκ εἶ ὁ χριστὸς οὐδὲ Ἥλίας οὐδὲ ὁ προφήτης; **26** ἀπεκρίθη αὐτοῖς ὁ Ἰωάννης ὀλέγων· ἐγὼ τὸ βαπτίζω ἐν

27,30; 11,27 Mt 3,11p
| Sap 8,5· Kol 1,19!

R 6,14; 10,4· Ex 34,6 Ps
25,10; 40,11; 85,11
| Ex 33,18.20 5,37; 6,46;
14,9 1J 4,12 1T 1,17·
3,16!· 1J 5,20· L 10,22p

19-23: Mt 3,1-3 Mc
1,2-4 L 3,1-6

L 3,15sp

3,28 Act 13,25 |

Mt 3,23 Mt 11,14 Mc
9,11·4,19; 6,14; 7,40.
52; 9,17 Dt 18,15 |
8,13

Is 40,3 68

24-28: Mt 3,11 Mc 1,7s
L 3,15s
Mc 11,30

Mc 1,8 Act 1,5; 19,2ss
31,33